विद्यालय प्रार्थना

पितु मातु सहायक स्वामि सखा, तुम ही एक नाथ हमारे हो।
जिनके कछु और आधार नहीं, तिनके तुम ही रखवारे हो।
भेलि हैं हम हीं तुमको तुम तो, हमरी सुधि नाहिं बिसारे हो।
प्रतिपाल करो सिगरे जग को, अतिशय करूना उर धारे हो।
उपकारन कौ कछु अन्त नहीं, छिन ही छिन जो विस्तारे हो।
महाराज महा महिमा तुम्हरी, समझे बिरले बुधवारे हो।
शुभ शान्ति निकेतन प्रेम निधे, मन मन्दिर के उजियारे हो।
यहि जीवन के तुम जीवन हो, इन प्राणन के तुम प्यारे हो।
तुम सों प्रभु पाय प्रताप हरी, केहि के अब और सहारे हो।
पितु मातु सहायक स्वामि सखा, तुम ही इक नाथ हमारे हो।

संकल्प

भारत मेरा देश है और समस्त भारतवासी मेरे भाई–बहिन हैं।

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ, कि मैं अपने माता–पिता, शिक्षकों तथा गुरूजनों का आदर करूँगा, पूर्ण मनोयोग से शिक्षाध्ययन करूँगा एवं विद्या मन्दिर की सुरक्षा करूँगा। मैं सदा अपने कर्त्तव्यों का पूर्णरूपेण पालन करूँगा तथा देश के प्रति निष्ठावान् रहते हुए देश की रक्षा के लिये तन, मन, धन का बलिदान करने का तत्पर रहूँगा।

भारत की स्वतन्त्रता अमर रहे!! जय भारत!